इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने भारतीय विमेंस टीम की ओपनर प्रतीका रावल पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना के साथ ही एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया है। जबकि इंग्लैंड टीम स्लो ओवर रेट के लिए मैच फीस का 5 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। – **प्रतीका रावल**

भारतीय विमेंस टीम की खिलाड़ी, मैच फीस पर जुर्माना लगते पर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

रवि शास्त्री

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कोच रवि शास्त्री का मानना है कि अगर ऋषभ पंत विकेटकीपिंग के लिए फिट नहीं हैं, तो उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में नहीं खेलना चाहिए। तीसरे टेस्ट के पहले दिन पंत की उंगली में चोट लग गई थी, जिसके बाद ध्रुव जुरेल ने विकेटकीपिंग की। भारत 5 मैचों की सीरीज में 2-1 से पीछे है, और टीम प्रबंधन पंत को मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में होने वाले चौथे टेस्ट में बतौर बल्लेबाज खिलाने पर विचार कर रहा है। शास्त्री ने टीम मैनेजमेंट के फैसले का विरोध किया। उन्होंने कहा कि इससे पंत की चोट खेलने से और गंभीर हो सकती है।

क्या आप जानते हैं ?... भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट अगस्त 2021 में हुआ था, अब इंग्लैंड ने एक पारी और 76 रनों से बड़ी जीत दर्ज की थी।

इंडियन पोलो डे का इवेंट आज के तहत टूर ऑफ इंग्लैंड

जयपुर ट्रॉफी और इंडिया पोलो शील्ड (18 गोल) के लिए होंगे दो अहम टेलीकॉम, टीम जयपुर और गार्ड्स पोलो क्लब के बीच जयपुर ट्रॉफी का मुकाबला होगा

पद्मनाभ सिंह जयपुर पोलो टीम का नेतृत्व करेंगे

जयपुर, 18 जुलाई। सवाई पद्मनाभ सिंह 19 जुलाई को गार्ड्स पोलो क्लब, यूके में आयोजित इंडियन पोलो डे में जयपुर पोलो टीम का नेतृत्व करेंगे। इस आयोजन में दो प्रमुख समूह शामिल होंगे – पहला, 18 गोल इंडिया पोलो शील्ड फाइनल, जिसमें उच्च स्तर का कार्यक्रम शामिल है, और दूसरा, प्रतिष्ठित जयपुर ट्रॉफी, जिसमें टीम जयपुर और गार्ड्स पोलो क्लब के प्रमुख शामिल होंगे। जयपुर ट्रॉफी का इतिहास भी खास है – इसकी शुरुआत 1968 में हिज हाइनेस सवाई मान सिंह द्वितीय द्वारा की गई थी, जब वे ट्रॉफी गार्ड्स पोलो क्लब के स्टार थे। पहले कॉलेज में प्रिंस फिलिप और युवा प्रिंस चार्ल्स जैसे शाही खिलाड़ी भी शामिल थे। इसके बाद वर्षों तक राजमाता गायत्री देवी यहां यह ट्रॉफी उपलब्ध कराती रही। यह ट्रॉफी आखिरी बार 2011 में रिलीज हुई थी और अब एक दशक बाद हिज हाइनेस सवाई पद्मनाभ सिंह द्वारा इसे दोबारा शुरू किया जा रहा है। जयपुर टीम में एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह के अतिरिक्त, जैसल सिंह, अभिमन्यु पाठक और डैनियल ओटामेंडी शामिल हैं। वहीं, गार्ड्स पोलो क्लब टीम में विल एमर्सन, अलाउदम सिंह राय, डीनो धनखड़ और विश्वरूपे बजाज खेलेंगे। दोनों मैच भारत में लाइव प्रसारित होंगे। दर्शक भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे..पर देख सकते हैं।

प्रतीका रावल और इंग्लैंड टीम पर लगाया जुर्माना

नई दिल्ली, 18 जुलाई। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने भारतीय विमेंस टीम की ओपनर प्रतीका रावल पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना के साथ ही एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया है। जबकि इंग्लैंड टीम स्लो ओवर रेट के लिए मैच फीस का 5 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। रावल पर यह जुर्माना बुधवार को साउथम्पटन में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए पहले वनडे मैच के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन के लिए लगा।

उन्हें के अनुच्छेद 2.12 का दोषी पाया गया है। यह नियम खिलाड़ी, सपोर्ट स्टाफ, अंपायर, मैच रेफरी या दर्शक के साथ अनुचित व्यवहार शामिल है। रावल पर मैच के दौरान दो अलग – अलग घटनाओं के कारण कार्रवाई हुई रावल पर दो अलग-अलग घटनाओं के कारण यह कार्रवाई हुई। 18वें ओवर में रन लेते समय उन्होंने गेंदबाज लॉरेन फाइलर के साथ अनावश्यक शारीरिक संपर्क किया। इसके बाद, अगले ओवर में आउट होने के बाद पवेलियन लौटते समय उन्होंने गेंदबाज सोफी एक्लेस्टोन के साथ भी ऐसा ही अनुचित संपर्क किया।

इंग्लैंड निर्धारित समय से एक ओवर पीछे थी वहीं, इंग्लैंड महिला टीम पर धीमी ओवर-रेट के लिए 5 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना लगाया गया इंग्लैंड की टीम निर्धारित समय में एक ओवर पीछे थी। आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, निर्धारित समय में प्रत्येक ओवर की कमी के लिए खिलाड़ियों पर 5 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना लगता है। रावल और इंग्लैंड की कप्तान ने अपनी गलती स्वीकार ली रावल और इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट ने अपनी गलती स्वीकार कर ली और इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी की सदस्य सारा बार्टलेट की ओर से प्रस्तावित सजा को मंजूर कर लिया। इसलिए, औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी।

क्या कहता है कोड ऑफ कंडक्ट का नियम कोड ऑफ कंडक्ट के मुताबिक, लेवल-1 और लेवल-2 के उल्लंघन पर 1 से 2 डिमेरिट पॉइंट्स के साथ शून्य से 50 फीसदी मैच फीस लगती है। लेवल-3 के उल्लंघन करने पर 6 टेस्ट और 12 वनडे का सस्पेंशन मिलता है। रावल पर 1 डिमेरिट पॉइंट का जुर्माना लगाया गया है। वहीं, अगर कोई खिलाड़ी 24 महीने में चार या ज्यादा डिमेरिट पॉइंट जमा करता है, तो वे सस्पेंशन पॉइंट में बदल जाते हैं, जिसके बाद खिलाड़ी पर एक टेस्ट या दो वनडे या दो टी-20 मैचों का बैन लग सकता है। डिमेरिट पॉइंट 24 महीने तक रिकॉर्ड में रहते हैं, इसके बाद वे हटा दिए जाते हैं।

शमी की पूर्व पत्नी पर हत्या की कोशश का केस

पड़ोसी ने 10 साल की बेटी पर भी मामला दर्ज कराया, जमीन को लेकर हुआ विवाद

पश्चिम बंगाल, 18 जुलाई। मोहम्मद शमी की पूर्व पत्नी हसीन जहां और उनकी 10 साल की बेटी आरशी जहां के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज की गई है। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में पड़ोसी डालिया खातून ने हसीन और आरशी पर हत्या की कोशिश, साजिश और मारपीट जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं।

जमीन को लेकर विवाद

हसीन और पड़ोसी डालिया के बीच विवाद जमीन को लेकर हुआ। बीरभूम जिले में सूरी नगरपालिका के वार्ड नंबर 5 के सोनाटोर इलाके में एक जमीन है, जो आरशी के नाम पर है। डालिया का दावा है कि यह जमीन विवादित है।

डालिया को हॉस्पिटल में भर्ती करना पड़ा

हसीन ने जब उस जमीन में निर्माण शुरू किया, तो दोनों पक्षों में झगड़ा हो गया। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में हसीन काले टी-शर्ट और जींस में डालिया से भिड़ती दिख रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि झगड़े में डालिया के सिर में चोट लगी और उन्हें सूरी सदर अस्पताल में भर्ती करना पड़ा। डालिया ने आरोप लगाया कि हसीन और उनकी बेटी ने उनकी हत्या की कोशिश की। सूरी पुलिस स्टेशन में हसीन और आरशी के खिलाफ दर्ज की गई है। हसीन ने भी स्थानीय तृणमूल पार्षद के पति काजी फरजुद्दीन के खिलाफ जवाबी शिकायत दर्ज की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खिलाड़ी प्रतिबंधित दवाओं के सेवन से बचे : डॉ. नीरज कुमार पवन

500 खिलाड़ियों व प्रशिक्षकों ने भाग लिया सेमिनार में

जयपुर, 18 जुलाई। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के इतिहास में पहली बार एंटी डोपिंग शिक्षा एवं जागरूकता कार्यशाला का आयोजन प्रशिक्षको और खिलाडियों के लिए किया गया। कार्यशाला में भारत सरकार की एंटी डोपिंग की पूरी टीम ने यहा आकर प्रतिबन्धित दवाओं के सेवन से बचने के उपाय बताए और साथ ही इसके दुष्प्रभावों के बारे में भी जानकारी दी। सेमीनार का उद्घाटन डॉ. नीरज कुमार पवन, शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग व अध्यक्ष, राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद ने किया।

इस अवसर पर डॉ. नीरज कुमार पवन ने कहा कि सारे खिलाडियों, सभी प्रशिक्षको को इस सेमीनार में बताया कि प्रतिबन्धित दवाओं का सेवन नहीं करना चाहिए, अगर कोई ऐसा करता है तो उसके क्या-क्या कानूनी प्रावधान है और उसे सजा भी हो सकती है साथ ही राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय पर उसका पदक भी छीना जा सकता है। इससे देश व प्रदेश की बदनामी होती है। इस लिए खिलाडियों को प्रतिबन्धित दवाओं के सेवन से बचना चाहिए। उन्होने बताया कि कोनसी दवाई ले सकते है और कोनसी नहीं इस बारे में नो योअर मेडिसन एप पर जाकर चेक कर सकते है। मंत्री महोदय के प्रयासो से भारत सरकार ने पहली बार यहा खिलाडियों के लिए इस तरह की सेमीनार का आयोजन करने में मदद की है। इस अवसर पर नाडा के डोप कन्ट्रोल ऑफिसर कम एजुकेटर श्री विकास त्यागी ने सेमीनार में उपस्थित करीब 500 प्रशिक्षको व खिलाडियों नाडा के बारे में बताते हुये कहा कि कोनसे सप्लीमेंट्स लेने चाहिए और कोनसे नहीं। सप्लीमेंट्स लेने से पूर्व डॉक्टर, पोषण विशेषज्ञ और चिकित्सा विशेषज्ञ से सलाह ले।

सप्लीमेंट्स लेना पूरी तरह से बंद कर दे यदि उनका कोई विकल्प उपलब्ध है। साथ ही प्रतिबन्धित पदार्थो और तरीको से बचे रहे, अपने नमूने समय पर जमा करवायें। माता व पिता को भी चाहिये कि वे प्रतिबन्धित दवाओं से दूर रहने के लिए अपने बच्चो को जागृत करें । उन्होने खिलाडियों को डोप परीक्षण प्रक्रिया के दौरान अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में भी बताया। डोपिंग नियंत्रण स्टेशन पर खिलाडी अपने पसंद के प्रतिनिधि को नामित करने, नमूना संग्रहण प्रक्रिया के बारे में जानकारी लेने, रिपोर्ट पर देरी होने पर पूछने, जरूरत पडने पर अनुवादक के लिए अनुरोध करने का अधिकार है। साथ ही श्री ओपी शर्मा, डोप कन्ट्रोल ऑफिसर कम एजुकेटर ने भी सेमीनार में अपने विचार व्यक्त किये।

राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के मुख्य खेल अधिकारी वीरेन्द्र पूनिया ने बताया कि नाडा की एप के द्वारा खिलाडी प्रतिबन्धित दवाओं के बारे में जान सकते है। बीमार होने पर चिकित्सक द्वारा लिखि जाने वाली दवाई को भी खिलाडी उस एप के माध्यम से चेक कर सकता है। खिलाडी कई बार ऐसी दवाओं के सेवन से एक बार तो अपनी परफोरमेंस तो बढा सकता है लेकिन बडे लेवल पर परफोरमेंस पर फर्क पडता है। ऐसी दवाओं का असर एक डेढ वर्ष तक रहता है। इस लिए खिलाडियों को अच्छी डाईट और अच्छी टेनिंग से ही अपना प्रदर्शन बढायें। इस मौके पर श्री राजेन्द्र सिंह, सचिव, राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद, खेल प्रबन्धक, प्रभारी खेल अधिकारी, नियमित प्रशिक्षक, फिजियाथेरेपिस्ट, एवं एन.आई.एस. डिप्लोमाधारी अल्पकालीन प्रशिक्षक एवं खिलाड़ी आदि मौजूद थे।

बीसीसीआई को 2023-24 में 9742 करोड़ की कमाई हुई बोर्ड के पास 30 हजार करोड़ रिजर्व में

नई दिल्ली, 18 जुलाई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने फाइनेंशियल ईयर 2023-24 में रिकॉर्ड तोड़ कमाई की है और इसकी कुल आय 9742 करोड़ रुपए रही। फर्म रेडिफ्यूजन की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस कमाई का सबसे बड़ा हिस्सा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से आया। अकेले 5,761 करोड़ रुपए का योगदान दिया। यानी बोर्ड की कुल कमाई का 59 हिस्सा से आया।

गैर- मीडिया राइट्स से को 361 करोड़ रुपए की आमदनी हुई। अब की सबसे बड़ी आय का सोर्स बन चुका है और रणजी ट्रॉफी समेत घरेलू क्रिकेट के खिलाड़ियों को बड़े मौके भी दे रहा है। पास 30,000 करोड़ रुपए रिजर्व में रेडिफ्यूजन के मैनेजिंग डायरेक्टर संदीप गोयल ने कहा, के पास रणजी ट्रॉफी, दलीप ट्रॉफी और सीके नायडू ट्रॉफी जैसे डोमेस्टिक टूर्नामेंट को व्यवसायिक बनाने की बड़ी क्षमता है, जिससे गैर- राजस्व बढ़ सकता है। बोर्ड के पास करीब 30,000 करोड़ रुपए रिजर्व में है, जिससे हर साल लगभग 1,000 करोड़ रुपए ब्याज मिलता है।

ऐसे पैसा कमाता है

मीडिया राइट्स : मीडिया और ब्रॉडकास्टिंग राइट्स यानी के मैचों के टेलीकास्ट करने का अधिकार। मैच के लाइव टेलिकास्ट के अलावा हाइलाइट्स तक सिर्फ वही कंपनी दिखा सकती है, जिसके पास मीडिया राइट्स हों। इससे ही को सबसे ज्यादा रेवेन्यू मिलता है।

टाइटल स्पॉन्सरशिप : साल 2008 में टाइटल स्पॉन्सरशिप के लिए सालाना 50 करोड़ दिए गए थे। वहीं, 2023 में ये आंकड़ा सालाना 300 करोड़ से ज्यादा हो गया। टाटा और के बीच दो साल की डील हुई थी, इसके लिए कुल 600 करोड़ दिए गए।

फ्रेंचाइजी फीस : कोई भी नई टीम जब का हिस्सा बनती है, इसके लिए फ्रेंचाइजी फीस देनी होती है। ये पूरा प्रोसेस बोली लगाकर होता है, जिसमें अलग-अलग कंपनियां या ग्रुप टीम खरीदने के लिए बिडिंग प्रोसेस का हिस्सा बनते हैं। साल 2022 में जब गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपरजायंट्स लीग का हिस्सा बनीं, तो के खाते में 12500 करोड़ जुड़ गए।

लॉस एंजिलिस ओलिंपिक क्वालिफिकेशन तय करने के लिए नया ग्रुप बनेगा

इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने की न्यूनतम आयु 15 साल होगी

नई दिल्ली, 18 जुलाई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने कई महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर चर्चा के लिए एक वर्किंग ग्रुप बनाने का फैसला किया है। इसमें क्रिकेट के हर फॉर्मेट की संरचना और 2028 लॉस एंजिलिस ओलिंपिक के लिए क्वालिफिकेशन प्रक्रिया शामिल है। यह भी तय हुआ कि सीनियर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भाग लेने की न्यूनतम आयु 15 वर्ष रहेगी, लेकिन विशेष मामलों में इसकी समीक्षा की जा सकती है। यह फैसले शुक्रवार (18 जुलाई) को सिंगापुर में हुई मुख्य कार्यकारी समिति की बैठक में लिए गए। शनिवार को एक वर्किंग ग्रुप बनाया जाएगा। इस ग्रुप में और बोर्ड के सदस्य शामिल होंगे। इसका मुख्य काम 2028 ओलिंपिक के लिए क्वालिफिकेशन का तरीका सुझाना होगा। का मानना है कि रैंकिंग के आधार पर टीमें चुनी जा सकती हैं, लेकिन जय शाह की अध्यक्षता वाली ने यह निर्णय वर्किंग ग्रुप पर छोड़ दिया है । कुछ लोग क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट कराने का सुझाव दे रहे हैं, लेकिन समय की कमी और व्यस्त फ्यूचर टूर्स प्रोग्राम के कारण यह मुश्किल है। फिर भी, ग्रुप से सभी संभावित विकल्पों की जांच करने को कहा जाएगा। अगर रैंकिंग के आधार पर क्वालिफिकेशन का सुझाव आता है, तो ग्रुप को रैंकिंग की अंतिम तारीख भी बतानी होगी। नए संजोग गुप्ता की अध्यक्षता वाली बैठक में यह भी बताया गया कि अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की न्यूनतम आयु 15 वर्ष रहेगी, जैसा कि की मेडिकल सलाहकार समिति ने सुझाया था। हालांकि, विशेष परिस्थितियों में छूट दी जा सकती है । ओलिंपिक में 6 मेंस और 6 विमेंस टीमें भाग लेंगीओलिंपिक में केवल 6 पुरुष और 6 महिला टीमें भाग लेंगी। टेस्ट क्रिकेट के 2-तैयार सिस्टम पर में कोई चर्चा नहीं हुई, लेकिन माना जा रहा है कि वर्किंग ग्रुप से इस पर सुझाव मांगा जाएगा। साथ ही, ग्रुप से वनडे और टी20 फॉर्मेट में बदलाव के लिए भी सिफारिशें देने को कहा जाएगा। बोर्ड क्रिकेट के भविष्य पर फैसला लेगा। हाल ही में एक नॉर्मलाइजेशन कमेटी ने का दौरा किया और से इस्तीफा देने को कहा, लेकिन के कुछ सदस्यों ने इसका विरोध किया है। चूंकि ओलिंपिक में होने वाले हैं।

खिलाड़ी तनवीर पड़िहार और कोच राहुल भाकर का डीडवाना में स्वागत

तनवीर पड़िहार और मुख्य कोच राहुल भाकर ने अंतरराष्ट्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया है

पेरिस हैंडबॉल वर्ल्ड कप और स्वीडन पार्टिल वर्ल्ड कप 2025 में भारत का प्रतिनिधित्व कर लौटे हैं

डीडवाना, 18 जुलाई। पेरिस हैंडबॉल वर्ल्ड कप और स्वीडन पार्टिल वर्ल्ड कप 2025 में भारत का प्रतिनिधित्व कर लौटे वंडर बॉय के नाम से मशहूर, डीडवाना के लाल तनवीर पड़िहार और मुख्य कोच राहुल भाकर का शहर में ऐतिहासिक स्वागत किया गया। इस अवसर पर बांगड़ अस्पताल चौराहे से शुरू होकर मुख्य मार्गों से होते हुए सीकेएस अस्पताल तक एक भव्य वाहन रैली निकाली गई, जिसमें दोनों खेल नायक खुली जीप में सवार थे। इस दौरान जगह-जगह पुष्प वर्षा कर लोगों ने उनका स्वागत किया। खिलाड़ी तनवीर पड़िहार, जो भारतीय हैंडबॉल टीम में बतौर गोलकीपर शामिल रहे, ने हाल ही में पेरिस वर्ल्ड कप में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वहीं, कोच राहुल भाकर ने बतौर मुख्य प्रशिक्षक टीम का नेतृत्व किया।

मीडिया से बातचीत के दौरान राहुल भाकर ने कहा कि आने वाला समय खेलों का है। आज के युवा अगर खेल के प्रति समर्पित रहें, तो वे अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच सकते हैं। जरूरी है कि वे नशे से दूर रहें और अनुशासित जीवन अपनाएं। राजस्थान में खेलों की अपार संभावनाएं हैं, बस हमें संसाधन और सही मार्गदर्शन की जरूरत है। गोलकीपर तनवीर पड़िहार ने भी अपनी यात्रा साझा करते हुए कहा कि मैंने 2022 में मारवाड़ स्पोर्ट्स एकेडमी से खेलना शुरू किया था। निरंतर अभ्यास, फिटनेस और कोचिंग की

बदौलत आज यह मुकाम हासिल किया है। मैं सभी युवाओं से कहना चाहता हूं कि असफलता से घबराएं नहीं, लगातार प्रयास करते रहें।

मारवाड़ स्पोर्ट्स एकेडमी के अध्यक्ष डॉ. सोहन चौधरी ने इस मौके पर कहा कि डीडवाना जैसे कस्बे से निकले खिलाड़ी ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा साबित कर दी है। अगर सरकार और समाज खिलाड़ियों को आवश्यक संसाधन और सुविधाएं दे, तो ये युवा ओलंपिक जैसे मंचों पर भी देश का झंडा बुलंद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि डीडवाना ने दिखा दिया है कि जब जज़्बा, जुनून और जनसमर्थन मिल जाए, तो एक छोटा शहर भी अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर अपनी छाप छोड़ सकता है।

कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा नेता रामाकिशन खीचड़ ने कहा कि डीडवाना का यह गौरव पूरे जिले के लिए प्रेरणास्पद है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि शहर में इंडोर गेम्स के लिए आधुनिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की स्थापना की जाए ताकि और खिलाड़ी उभर सकें। भाजपा नेता श्याम प्रताप सिंह राठौड़ ने कहा कि तनवीर और राहुल ने न केवल खेल में उत्कृष्टता दिखाई, बल्कि युवाओं के लिए एक आदर्श प्रस्तुत किया है। यह साबित करता है कि छोटे शहरों में भी बड़ी प्रतिभाएं जन्म लेती हैं। वहीं युवा समाजसेवी योगेश लाल शर्मा ने कहा कि यह पल डीडवाना के हर नागरिक के लिए गर्व का है। तनवीर और राहुल जैसे युवाओं ने यह दिखा दिया है कि जुनून, मेहनत और मार्गदर्शन के साथ कोई भी युवा देश का नाम रोशन कर सकता है। इस अवसर पर डॉ. बजरंग सिंह राठौड़, अब्दुल रहीम पड़िहार, सरपंच नवाज शरीफ, जुनैद कोटवाल, हुसैन रजा खूनखुना, आनंद अंबापा सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी, युवा और समाजसेवी उपस्थित रहे।